CHANCELLOR
H.E. Shri Fagu Chauhan
Hon'ble Governor, Bihar

VICE CHANCELLOR
Prof. (Dr.) Krishna Chandra Sinha

PRO VICE CHANCELLOR
Dr. Sanjoy Kumar

REGISTRAR
Dr. Md. Habibur Rahman

REGISTRAR (EXAM.)
Dr. Neelam Kumari

FINANCE OFFICER
Sri Prem Shankar Singh Pankaj

NALANDA OPEN UNIVERSITY

VISION

Establishment of a University of Excellence to Nurture Young and Talent Human Resource for the service of Indian society and World at large Preserving the Integrity and Sanctity of Human Values.

MISSION

Our Mission is to Pursue Higher Education, Scholarship and Research at the Highest Level of Excellence Involving All Desirous Social Groups Living Even in the Remotest of the Remote Areas.

संदेश

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय बिहार का एकमात्र खुला विश्वविद्यालय है जो दो दशकों से भीअधिक समय से ऐसे व्यक्तियों को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर देता आ रहा है जो किन्हीं कारणों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह गए हैं। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण जनमानस, महिलायें, विकलांग, दलित, आर्थिक दृष्टि से कमज़ोर व्यक्तियों के साथ-साथ जेल में रह रहे कैदियों, सुदूर नगरों एवं महानगरों में जाकर अध्ययन करने में असमर्थ लोगों को नालन्दा खुला विश्वविद्यालय द्वारा रोजगारपरक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराये जाते हैं, साथ ही उनके सर्वांगीण विकास के लिए अनेक अवसर भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इस क्षेत्र में नालन्दा खुला विश्वविद्यालय का योगदान अत्यन्त प्रशंसनीय रहा है। अर्थात्, सुलभ, कम खर्च में सभी को गुणवत्ता से परिपूर्ण उच्च शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराना इस विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण एवं मूल लक्ष्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विश्वविद्यालय के सनीशिक्षकों, पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कठिन परिश्रम, अथक प्रयास, समर्पणभाव एवं पूर्ण निष्ठा के साथ अपना योगदान दिया है। सतत् प्रयास का ही परिणाम है कि आज इस विश्वविद्यालय में 105 पाठ्यक्रम चल रहे हैं और लगभग 1.5 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए बिहार एवं झारखण्ड राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों में 220 अध्ययन केन्द्र एवं नामांकन केन्द्र संचालित हैं।

नालन्दा नालन्दा खुला विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य बिहार के सभी शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना है। आज यह विश्वविद्यालय ऐसे व्यावसायिकपाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने में तत्पर है जिससे छात्रों को जीविका अर्जन करने का साधन मिल सके तथा जो अपना एवं अपने प्रदेश के विकास में सहयोगी हो सकें।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय में विगत् कई वर्षों से इंटरमीडियेट, स्नातक, स्नातक प्रतिष्ठा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के साथ-साथ अनेक महत्त्वपूर्ण रोजगारोन्मुखी सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में बी.एड., बी.लिब.एससी., एम.लिब.एससी., बी.सी.ए. एवं एम.सी.ए. पाठ्यक्रम भी संचालित हो रहे हैं, जो विद्यार्थियों में बहुत लोकप्रिय है।

विश्वविद्यालय की सभी पाठ्य सामग्री विषय के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को विशेष रूप से ध्यान में रखकर तैयार की गयी है ताकि विद्यार्थी बिना शिक्षक के भी स्वाध्याय से उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकें। विश्वविद्यालय समय-समय पर अपनी सभी पाठ्य सामग्रियों का संशोधन-परिवर्धन भी कराता रहता है। इस प्रकार प्रत्येक वर्ष विद्यार्थी को अद्यतन ज्ञान प्राप्त होता है। आप सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को यह जानकर खुशी होगी कि बहुत जल्द ही नालन्दा खुला विश्वविद्यालय की सभी स्वाधिगम सामग्री (Self Learning Material) ऑनलाइन उपलब्ध होगी। अर्थात् विद्यार्थीगण घर बैठे अपनी आवश्यकता के अनुसार स्वाधिगम सामग्री को डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।

हम सभी जानते हैं कि अभी सारी दुनिया कोरोना महामारी से ग्रसित है, जिसकी कल्पना संभवतः किसी ने नहीं की थी। इस परिस्थिति में हम सभी को सावधान रहने और निजी एवं सामाजिक सुरक्षा के नियमों का पालने करने की आवश्यकता है। अभी संपूर्ण विश्व की सारी क्रियाकलाप बाधित है। पठन-पाठन से सम्बन्धित क्रियाकलाप भी बाधित है। ऐसे में विद्यार्थियों को अच्छे से अच्छा ज्ञान अपने घर पर ही मिल सके, यह आज के समय की आवश्यकता है। कोरोना महामारी के इस काल में भी विश्वविद्यालय ने अपने शिक्षण कार्यों को बिना किसी रुकावट के जारी रखने का प्रयास किया है। नालन्दा खुला विश्वविद्यालय ने आज की आधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए सूचना तकनीक के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा तैयार किये गये पाठ्यक्रम

को विश्वविद्यलाय केवेवसाइट पर ई-कंटेट (e-Content) के माध्यम से उपलब्ध कराया है जो कि विद्यार्थी के ज्ञानवर्द्धन के लिए बहुत ही लाभदायक है।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में नालन्दा खुला विश्वविद्यालय सदा ही तत्पर रहा है। सभी पाठ्यक्रमों में महिला विद्यार्थियों से 25 प्रतिशत फीस कम ली जाती है। यही कारण है कि नालन्दा खुला विश्वविद्यालय में महिला विद्यार्थियों की संख्या प्रति वर्ष बढ़ती जा रही है। महिलाओं एवं गृहिणियों को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय ऐसे अन्य कार्यक्रम चलाने का प्रयास कर रहा है जिनमें ज्ञान हासिल कर यह वर्ग अपने खाली समय का उपयोग अपनी पारिवारिक आय बढ़ाने में कर सके।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय ज्ञान का प्रसार करने वाला ऐसा संस्थान है जो 'न लाभ न हानि' के सिद्धांत में विश्वास रखकर पाठ्यक्रमों की फीस निर्धारित करता है। यह सत्य है कि नालन्दा खुला विश्वविद्यालय द्वारा चलाये गये सभी पाठ्यक्रमों की फीस अन्य संस्थानों अथवा विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे समान पाठ्यक्रमों की तुलना में बहुत कम है।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय अपनी नियमबद्धता और सत्रों को नियमित रखने के लिए जाना जाता है। हमें खेद है कि अयाचित स्थितियों के कारण विश्वविद्यालय का सत्र निर्धारित समय से पिछड़ गया है, किन्तु धीरे-धीरे स्थितियों में सुधार होगा और आशा है कि जल्द ही सबकुछ पूर्ववर्त नियमित हो जायेगा।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को अधिक-से-अधिक सुविधाएँ देने का प्रयास करता है। मुझे यह बताने में बहुत ही हर्ष हो रहा है कि नालन्दा खुला विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2020-21 से नामांकन की प्रक्रिया UMIS (University Management Information System) के माध्यम से आरंभ हो गयी है। नालन्दा खुला विश्वविद्यालय UMIS सिस्टम को लागू करने वाला बिहार का पहला विश्वविद्यालय है। हमारे विद्यार्थियों को अधिक कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़े इसके लिए हमने इन सारी बातों को ध्यान में रखकर इस UMIS सिस्टम को तैयार कराया है।

हम सभी जानते हैं कि नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के मुख्यालय का अपना कोई भवन नहीं है। इसका मुख्यालय पटना के बिस्कोमान भवन में किराये पर अवस्थित है। लेकिन मुझे यह बताने में प्रसन्नता हो रही है कि नालन्दा जिला के बड़गाँव में इस वर्ष के अंत तक नालन्दा खुला विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय सुचारू रूप से कार्य करने लगेगा, अर्थात् विश्वविद्यालय का अपना प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवन तैयार हो जायेगा।

हम बिहार राज्य एवं देश के अन्य राज्यों के शिक्षा एवं ज्ञान प्राप्त करने के इच्छुक सभी वर्गों के व्यक्तियों को इस विश्वविद्यालय का अंग बनने के लिए आमंत्रित करते हैं। हम विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों को सफल बनाने में प्रदेश के बुद्धिजीवियों के सक्रिय सहयोग की भी अपेक्षा रखते हैं और उनसे मिल रहे सहयोग के प्रति आभारी भी हैं।

हमें विश्वास है कि नालन्दा खुला विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न बहुआयामी शिक्षा कार्यक्रमों का लाभ अधिक-से-अधिक शिक्षार्थियों द्वारा लिया जा सकेगा। हमें राज भवन एवं बिहार सरकार का पूर्ण सहयोग सदैव प्राप्त होता रहा है। आशा है, भविष्य में भी मिलता रहेगा।

मैं छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

(प्रो. डॉ. कृष्ण चन्द्र सिन्हा)
कुलपति, नालन्दा खुला विश्वविद्यालय, पटना

कुलगीत

हम हैं नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
हर सपना पूरा करने का है दृढ़ निश्चय।

घर-घर में हम शिक्षा का अलख जगाते
है जहाँ अंधेरा ज्ञानदीप ले जाते।
गाँव-नगर या पिछड़े इलाके
हम विद्या की जोत जलाते।

है लक्ष्य यही संकल्प हमारा
नित बहे उच्च शिक्षा की धारा

जब ठान लिया फिर कैसा संशय
हम हैं नालन्दा खुला विश्वविद्यालय।

घर बैठे पढ़ने की सुविधा
फिर कैसा असमंजस, दुविधा?
महिलाओं को मिलती सुविधा
हम प्रेरित करते, वे आएँ लाभ उठाएँ।

जय पावका नः सरस्वती कल्याणी
हम वेदमंत्र की वही चिरन्तन वाणी।
साकार कर रहे नालन्दा की गरिमा
प्रगति पंथ पर पाकर वही महिमा।

हम हैं नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
हर सपना पूरा करने का है दृढ़ निश्चय।

Some Important Features

1. Women candidates get 25% concession in fee.
2. Free education to Jail (Prison) inmates.
3. All payments shall be received in exact amount in the form of Demand Draft, payable in favour of Nalanda Open University at Patna. Demand draft of less or more amount shall not be accepted.
4. **Three previous years' questions set** of all subjects are available on the website of Nalanda Open University. Students need not to contact any body for previous year questions.
5. All important and up-to-date information are available on University website and NOU Mobile App.
6. University has 105 courses and 220 Study Centres.
7. Carrying mobile phone in Examination Hall is an offence. A candidate found with mobile phone in examination hall can be expelled or fined Rs. 500/- only.
8. Assignment copies are required to be submitted paperwise in sealed envelop only on prescribed da examination (paperwise).
9. Candidate not submitting, assignment on prescribed date (Examination Date) on prescribed copy be declared fail.

❑❑❑

University Grants Commission
Bahadur Shah Zafar Marg
New Delhi-110 002

F. No. UGC/DEB/ 2013
Dated 14.10. 2013

The Registrar/Director
Of all the Indian Universities
(Deemed, State, Central Universities/
Institutions of National importance)

Subject: Equivalence of Degrees awarded by Open and Distance Learning (ODL) Institutions at par with Conventional Universities/ Institutions

Sir/ Madam,

There are a number of Open and Distance Learning Institutions (ODLIs) in the country offering Degree/ Diploma/Certificate programmes through the mode of non formal education. These comprise Open Universities, Distance Education Institutions (either single mode or dual mode) of Central Universities, State Universities, Deemed to be Universities, Institutions of National Importance or any other Institution of Higher learning recognized by Central/State/Statutory Council/Societies registered under the Society Registration Act 1860.

2. A circular was earlier issued vide UGC letter F1 No- 52/2000(CPP-II) dated May 05, 2004 **(copy enclosed)** mentioning that Degrees/Diplomas / Certificates/ awarded by the Open Universities in conformity with the UGC notification of degrees be treated as equivalent to corresponding awards of the traditional Universities in the country.

3. Attention is also invited to UGC circular No F1-25/93(CPP-II) dated 28th July 1993 **(copy enclosed)** for recognition of degrees and diplomas as well as transfer of credit for courses successfully completed by students between the two types of universities so that the mobility of students from Open University stream to traditional universities/ institutions is ensured without any difficulty.

4. The Government of India, in exercise of its power conferred under section 20(1) of UGC Act 1956, issued directions dated 29th December 2012 entrusting UGC with the responsibility of regulating higher education programme in open and distance learning (ODL) mode. Consequently, Universities/ Institutions desirous of offering any programme through distance mode would require recognition of UGC.

5. As you are aware, the Government of India has envisaged a greater role for the Open and the Distance Education System. The envisioned role may be fulfilled by recognizing and treating the Degrees / Diplomas/ Certificates awarded through distance mode at par with the degrees obtained through the formal system of education. Open and Distance Education System in the country is contributing a lot in expansion of Higher Education and for achieving target of GER, without compromising on quality. Non recognition/ non equivalence of degrees of ODL institutions for the purpose of promotion/ employment and pursuing higher education may prove a deterrent to many learners and will ultimately defeat the purpose of Open and Distance Education.

6. Accordingly, the Degrees/ Diplomas/ Certificates awarded for programmes conducted by the ODL institutions, recognized by DEC (erstwhile) and UGC, in conformity with UGC Notification on specification of Degrees should be treated as equivalent to the corresponding awards of the Degree/Diploma/Certificate of the traditional Universities/ institutions in the country.

(Vikram Sahay) 14/2
Director(Admn)
Tel: 011 2323 0405
Email: vikramsahay7@gmail.com

Encl: As above

Copy to:

1. Secretary, Government of India, Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001.
2. Secretary, All Indian Council for Technical Education, 7th Floor, Chandra Lok Building, Janpath, New Delhi.
3. Secretary, Association of Indian Universities, AIU House, 16 Comrade Indrajit Gupta Marg (Kotla Marg), New Delhi-110002.

NALANDA OPEN UNIVERSITY, PATNA

01 - PARTICULARS OF ORGANIZATION, FUNCTIONS AND DUTIES

1. ABOUT THE UNIVERSITY

The Nalanda Open University is the only university in the State of Bihar, which is meant for imparting education exclusively through the system of open & distance learning. The University was established in March 1987, by an ordinance, promulgated by the Government of Bihar. Later, after enactment of Nalanda Open University Act, 1995 by the Bihar Legislature, the University came under the authority and jurisdiction of the new Act. The University is an autonomous body under the Nalanda Open University Act, 1995, and is named after the famous Nalanda University of ancient India.

At present, the university is functioning from its camp office at Biscomaun Bhawan, Gandhi Maidan, Patna. The university offices are located on 1st, 2nd, 3rd, 4th & 12th floors of Biscomaun Building. The university is in possession of about 65,000 sq. feet of built-up area. The university has classrooms, laboratories for science subjects and training facilities for computer programmes. The computer laboratory of the university is connected with 1 Gbps Internet-connection under NKN project of MHRD and equipped with 350 high end computers with latest processors. It is one of the largest computer centres in this part of the country. Besides Biscomaun Building, the university has hired space at Co-operative Bank Building (opposite B.N. College, Patna) and some built-up areas of Bihar Vidyapith (Near Kurji Hospital, Digha) for distribution of self-learning material (SLM). Moreover, with the help of State Government, a new spacious campus for the University is in an advance stage of construction at Nalanda.

The administrative functions of the University is performed from the 3rd floor of the Biscomaun Bhawan, Patna. The university has a well-equipped, developed and fully automated administrative office.

The university has an air-conditioned electronically controlled examination centre for about 1000 examinees and a state of the art library, with about 100,000 titles.

2. DISTANCE LEARNING AND NALANDA OPEN UNIVERSITY

The University offers courses in higher learning through Open and Distance Learning (ODL) mode of education to the students of the State of Bihar in particular and the students of the country in general who did not opt for or have been denied admission in conventional institutions or who are unable to study in such institutions as day scholars, but are still desirous to upgrade their educational qualification. The courses offered by the University are innovative, job oriented and self-satisfying. It may be mentioned here that Nalanda Open University is the 4th oldest open University of the country. During its existence of last 31 years, it has contributed immensely in spreading higher education through the distance mode of learning.

The University is recognized by the Distance Education Bureau (DEB), University Grants Commission (UGC), and Ministry of H.R.D., Govt. of India, for imparting education through open and distance mode of learning (ODL).

The University is also a member of International Council of Open and Distance Education (ICDE) and Asian Association of Open Universities (AAOU) for improvement and upgradation of its courses at international level.

3. AIMS AND OBJECTIVES OF THE UNIVERSITY

The aims and objectives of the University are:

(a) To provide educational opportunities to those who are unable to take up formal education and are yet desirous to upgrade their educational qualification and acquire state of the art knowledge in various fields of learning through correspondence course, contact programmes at study centres and other means of mass communication, like-radio, satellite, and electronic mode.

(b) To provide flexibility in enrolment to various courses of higher education in matters, like, age of entry, choice of courses, methods of learning, conduct of examination, operation of programmes etc.

(c) To offer degree, diploma and certificate courses in different disciplines of learning and to provide facilities for research and advance learning.

(d) To disseminate knowledge and to undertake activities for advancement of art, education, literature, science and technology.

(e) To provide special facilities through distance mode of education to individuals and groups, like elderly people, in-service personnel, housewives, people living in remote areas, socially disadvantaged people and others to upgrade their skill and to acquire higher academic qualifications.

(f) To lay emphasis on introduction and teaching of vocational as well as conventional courses, leading to award of degree, diploma and certificates.

(g) To create awareness for self-sufficiency and act as a catalyst to equip people with knowledge and higher qualification to enable them to become suitable for new job opportunities.

(h) To provide modern courses in rural, agricultural, industrial and commercial disciplines to meet people's aspirations in these areas.

(i) To design learning material in a manner which may lead to improvement in socio-economic conditions of the general masses.

(j) To bring awareness in women, children, and downtrodden about their social rights, duties and legal status in the society.

• • •